Newspaper : Denik Jagran
Edition: Patna Nagar | Date: 30th July, 2019 | Pg. : 08

राजधानी के अधिसंख्य विद्यालयों में फिर बनने लगा मध्याह्न भोजन

जागरण संवाददाता, पटना : राजधानी के अधिकांश स्कूलों में सोमवार से एक बार फिर मिड-डे-मील बनने लगा। कुछ स्कूलों में पिछले तीन दिनों से एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से मध्याह्न भोजन की आपूर्ति की जा रही थी, लेकिन एनजीओ की उदासीनता के कारण अधिकांश स्कूलों में भोजन नहीं पहुंच पा रहा था, जिससे बच्चों को परेशानी हो रही थी। इसकी शिकायतें मिलने के बाद अधिकारियों ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन बनाने का आदेश दिया।

सदाकत आश्रम स्थित गोसाईं टोला में स्कूल प्रबंधन की ओर से बच्चों का भोजन बनवाया गया। स्कूल की प्राचार्य अनिता कुमारी मिश्रा ने कहा कि सोमवार से स्कूलों में भोजन बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। सोमवार को विद्यालय में कुल 66 बच्चे थे। सभी के लिए भोजन स्कूल प्रबंधन की ओर से बनवाया गया। वहीं राजापुर-मैनपुरा स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में भी बच्चों का भोजन स्कूल प्रबंधन ने तैयार कराया। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य संतोष बेक ने कहा कि सोमवार को विद्यालय में कुल 350 बच्चे उपस्थित थे और सभी के लिए भोजन तैयार किया गया। सभी बच्चों ने भोजन किया। वहीं उर्दू विद्यालय दुजरा के प्राचार्य राजेश कुमार ने भी कहा कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा भोजन बनाने के उपरांत बच्चों को परोसा गया।

राजापुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में मीड डे मील के तहत भोजन करते बच्चे। ● जागरण

बच्चों को दोपहर में परोसी गई चावल, दाल और सब्जी

राज्य सरकार की ओर से निर्धारित भोजन के अनुसार सोमवार को बच्चों को चावल, दाल व आलू-सोयाबीन की सब्जी परोसी गई। बच्चों ने काफी रुचि के साथ भोजन किया। प्राचार्य राजेश कुमार का कहना है कि बच्चों को ताजा भोजन मुहैया कराने के लिए स्कूलों में बनाने के सिवाय दूसरा कोई विकल्प नहीं है। वहीं अधिकांश बच्चों ने भी कहा कि स्कूल में भोजन बनने से उन्हें ताजा खाना मिल जाता है।

दनियावां के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन ठप

दनियावां : प्रखंड के आधे से अधिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना आवंटन के अभाव में ठप हो गई है। प्रखंड में कुल 62 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय कार्यरत हैं। इनमें 22 मध्य एवं 40 प्राथमिक विद्यालय हैं। इनमें से कुल 17 विद्यालयों में ही मध्याह्न भोजन योजना के तहत बच्चों को भोजन दिया जा रहा है। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अभिराम राज ने बताया कि निजी एजेंसी को योजना चलाने के लिए दी गई थी। इस कारण आवंटन नहीं रहने के कारण अधिकतर विद्यालय में योजना ठप हो गई है। जिन विद्यालयों में चावल उपलब्ध हैं वहां योजना चल रही है। आवंटन मिल गया है। शीघ्र ही अन्य विद्यालयों में भोजन बनना प्रारंभ करा दिया जाएगा।

प्रखंडों में भी पुरानी व्यवस्था लागू

संवाद सूत्र, खुसरूपुर : प्रखंड के प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में शुरू से ही रसोइयों द्वारा मिड-डे मील योजना के तहत भोजन बनाया जा रहा है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अभिराम झा ने बताया कि प्रखंड में 28 मध्य एवं 41 प्राथमिक विद्यालय कार्यरत हैं। इन सभी स्कूलों में सरकार की योजना एवं निर्देशानुसार मिड-डे मील योजना संचालित हो रही है।

ताजा भोजन खाकर प्रसन्न हुए बच्चे

मनेर : स्वयंसेवी संस्था द्वारा स्कूली बच्चों को दोपहर के भोजन की आपूर्ति पर रोक के बाद दोबारा विद्यालयों में सोमवार से मध्याह्न भोजन बनना चालू हो गया। सभी विद्यालयों में सोमवार को बच्चों को ताजा भोजन मिला तो वे काफी प्रसन्न दिखे। शिक्षकों का कहना था कि वे भोजन के निर्माण की मॉनीटरिंग करते हैं ताकि बच्चों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन मिले। बरसात के मौसम में एमडीएम का खास ख्याल रखना पड़ता है।

फुलवारीशरीफ प्राथमिक विद्यालय में भोजन करती छात्राएं ● जागरण

संग्रू, नौबतपुर : जागरण की टीम सोमवार को नौबतपुर राजकीय बुनियादी स्कूल पहुंची। वहां पूर्व की तरह सोमवार को भी बच्चों को मिड डे मील के तहत चावल, दाल और सब्जी परोसी गई। **पालीगंज :** पालीगंज के सभी विद्यालयों में सोमवार से नई व्यवस्था लागू हो गई। जागरण की टीम प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय मसौढ़ी कला पहुंची तो रसोइये मध्याह्न भोजन बनाने में जुटे थे। विद्यालय में 123 छात्र-छात्राएं हैं। सोमवार को कुल 93 विद्यार्थी स्कूल पहुंचे थे। मेनू के अनुसार दाल, चावल व हरी सब्जी बनाई जा रही थी।